हनुमान जयन्ती पर निकलेगी विशाल पदयात्रा

माई झु.न्यूज। हनुमान जयन्ती पर 20 अप्रेल को शहर में विशाल पदयात्रा निकाली जाएगी। इसकी तैयारी को लेकर मंगलवार को श्री दुर्गापूजा समिति बड़ का बालाजी के पदाधिकारियों की बैठक हुई।

समिति के अरविंद व्यास ने बताया कि पदयात्रा का शुभारम्भ टीबड़ा गेस्ट हाउस से होगा। पदयात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए श्री बंधे का बालाजी मंदिर पहुंचेगी। पदयात्रा के नयनाभिराम झांकी तथा ऊंट व घोड़ों का लवाजमा होगा। व्यापार मंडल व अन्य संगठनों की ओर से पदयात्रियों की आवभगत की जाएगी। बैठक में शिवप्रकाश खेतान, योगेश गुप्ता, सुमित गाडिया, राजकुमार बंका आदि उपस्थित थे।

मुम्बई में रंगारंग मुरुधरा गौरव सम्मान समारोह सम्पन्न

माई झु.न्यूज। चारू शर्मा और चिन्मय शर्मा ने संकट के कठिन क्षणों में जिस सूझबूझ और साहस के साथ लूटेरों का मुकाबला किया, उससे राजस्थान की माटी गौरवान्वित हुई है। यह उद्गार है विश्वविख्यात सारंगीवादक पंडित रामनारायण के जो उन्होंने इन दोनों साहसी बच्चों को मरूधरा गौरव सम्मान से विभूषित करने के तुरन्त बाद व्यक्त किये।

शनिवार को बिरला मातुश्री सभागार में मरूधरा द्वारा आयोजित एक समारोह में प्रमुख अतिथि पं. रामनारायण ने चारू शर्मा और चिन्मय शर्मा को सम्मानस्वरूप शाल, स्मृति चिन्ह, और 21 हजार रूपये की धनराशि भेंट की। उन्होंने

कहा कि इन बच्चों को सम्मानित करके आज समस्त राजस्थानी समाज सम्मानित हुआ है। समारोह अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार नंदकिशोर नौटियाल सम्मानित अतिथि नवभारत टाइम्स के सम्पादक शचीन्द्र त्रिपाठी, वरिष्ठ पत्रकार विश्वनाथ सचदेव ने कहा कि इन बहादुर बच्चों ने जिन्दगी की मुश्किलों में वीरता की परम्परा को कायम रखते हुए यह दिखा दिया कि राजस्थान की धरती आज भी वीरों से भरी हुई है।

प्रारम्भ में संस्थापक रामस्वरूप गाडिया ने स्वागत भाषण किया और महामंत्री सुरेशचन्द्र शर्मा ने आभार व्यक्त किया। उपाध्यक्ष सुरेन्द्र गाडिया, जनसम्पर्क प्रभारी राजीव नौटियाल, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश डीडवानिया, संयोजक पवन केडिया और स्वागत मंत्री रामस्वरूप अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन विनोद मोरवाल ने किया। इस अवसर पर सुरेन्द्र गाडिया द्वारा प्रस्तुत और महेन्द्र रूंगटा द्वारा निर्देशित रंगारंग कार्यक्रम नजारो फागण को में फिल्म और रंगमंच के कलाकारों ने फागुणी लोकनृत्य एवं लोकसंगीत के जरिए राजस्थानी संस्कृति की अनुपम झांकी प्रस्तुत की।

श्रीमती भगेरिया के निधन पर शोक सभा

चिड़ावा, 26 मार्च । युवा अग्रवाल समाज द्वारा अग्रवाल समाज के जिलाध्यक्ष विमल भगेरिया की धर्मपत्नी सरोजदेवी के निधन पर शोक सभा की गई। संगठन जिलाध्यक्ष विष्णु भगेरिया की अध्यक्षता एवं युवा वैश्य समाज के जिलाध्यक्ष अनुज भगेरिया की विशेष उपस्थिति में हुई बैठक के आरंभ में नगर अध्यक्ष महेंद्र मोदी व अमित गोयल बर्फवाला ने स्व. श्रीमती भगेरिया के निधन को समाज के लिए अपूर्णीय क्षति बताया। अनुसूचित जाति जनजाति आयोग के चेयरमैन विधायक सुंदरलाल व शिक्षा आयुक्त जेपी चंदेलिया ने रविवार रात भगेरिया के निवास स्थान पर जाकर श्रीमती भगेरिया के निधन पर शोक जताया।

एम काम एबीएसटी फाईनल के छात्रों को दी भावभीनी विदाई

माइ झु.न्यूज। सेठ मोतीलाल कॉलेज प्रांगण में 4 मार्च मंगलवार अपरान्ह 2 बजे एम कॉम एबीएसटी फाइनल के छात्रों को भावभीनी विदाई समारोह पूर्वक दी गयी।

समारोह का शुभारम्भ कॉलेज के उप प्राचार्य डॉ. आर के कटेवा द्वारा फीता काटकर व दीप प्रज्व्वलित कर किया गया। समारोह का आयोजन एम कॉम एबीएसटी प्रिवियस कक्षा के छात्रों द्वारा किया गया था जिसमें प्राचार्य डॉ. वी के शर्मा, समन्वयक डॉ. नगेन्द्र कुमार, व्याख्याता डॉ. एन के शर्मा, डॉ. आर डी सैनी, प्रो. एस के शर्मा एवं अंतिमा शर्मा, अंकिता गाडिया की गरीमामयी उपस्थिति में समारोह का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम का संचालन सोनम सुलतानिया, हरिराम कुमावत एंव योगेश तुलस्यान ने किया। कार्यक्रम में विदाई दी जाने वाले छात्रों के मनोरंजन कार्यक्रम से भी रूबरू करवाया गया जिसमें अंताक्षरी प्रतीयोगिता, बैलून डान्स तथा मिस्टर फेयरवेल गरीमा पंसारी को चुना गया जिन्हें उपहार देकर सम्मानित किया गया। समारोह को सम्बोधीत करते हुए प्राचार्य व उपप्राचार्य तथा व्याख्याताओं ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अच्छे परीक्षा परिणाम प्राप्त करने की शुभ कामनांए प्रदान की। अंत में छात्र–छात्राओं के तिलक लगाकर स्मृति स्वरूप उपहार प्रदान किये गये। इस अवसर पर सोनिया, आस्था, निधि, सोनू, प्रेरणा, वर्षा, प्रियंका, हरि, मनोज, अविनाश, दीपू, अंकित, प्रकाश, कपिल सहित अन्य छात्र–छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने सुंधा माता मंदिर में पूजा अर्चना की

जयपुर 27 मार्च। मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे ने आज जालोर जिले में स्थित ऐतिहासिक सुंधा माता मंदिर में देवी मां की पूजा–अर्चना की तथा प्रदेश की खुशहाली के लिए कामना की। श्रीमती वसुंधरा राजे गुरूवार को दोपहर राजकीय हेलीकॉप्टर से सुंधा पर्वत पर उतरीं तथा उपस्थित जनसमुदाय का अभिवादन स्वीकार करते हुए देवी के मंदिर में पहुंचीं जहां उन्होंने आधे घंटे तक देवी की पूजा की। मंदिर के पुजारी पंडित रामचन्द्र दवे ने मुख्यमंत्री को आर्शीवाद दिया।

मुख्यमंत्री इसके बाद भूर्भुवेश्वर शिव मंदिर में गयीं जहां उन्होंने भगवान शिव का दूध, जल एवं पुष्प से अभिषेक किया। मंदिर के पुजारी दिनेशचन्द्र दवे ने मुख्यमंत्री की मनोकामनाएं पूर्ण होने का आशीर्वाद दिया।

जी बी मोदी स्कूल में छात्रवृति वितरण

माई झु.न्यूज। जी बी मोदी विद्यालय में शनिवार को छात्रवृति वितरण समारोह का आयोजन किया गया। भारत भूमि दानदाताओं व भामाशाओं की भूमि रही है। इसकी प्राचीन यशस्वी संस्कृति व गौरवशाली इतिहास रहा है। जिस भूमि पर दधीची, हरिशचन्द्र व कर्ण जैसे दानवीर हुए वह भूमि आज भी दानदाताओं व भामाशाहों के पुण्य प्रताप से महक रही है। यहां समय समय पर आगे आकर संस्था को दानदाताओं ने खूब सहयोग दिया है। आज के इस समारोह में संस्था प्रबन्धन के मनोहरलाल जी गाडिया, परमेश्वर जी तुलस्यान, सत्यदेव जी दड़िया आदि जानी मानी हस्तियां मौजूद हुई।

फोटो –रामनिवास सोनी

विद्यालय सचिव बी के अग्रवाल ने मुख्य अतिथि व सभी आगन्तुक मेहमानों का स्वागत किया। बैंड के विद्यार्थियों ने बैंड की धुन के साथ अतिथियों का जोरदार स्वागत किया। एस डी एम भागचन्द बघाल ने बच्चों को अपनी प्रतिभा के प्रदर्शित करने का मौका प्रश्नोतरी के माध्यम से दिया। उन्होंने जीवन में आगे बढने के लिये भगवान में श्रद्धा व अच्छे कर्मों पर जोर दिया। मुख्य अतिथि डॉ. भागचन्द बघाल, एस डी एम झुंझुनूं ने महात्मा गांधी व भगतसिंह जैसे देशभक्तों को श्रद्धांजलि स्वरूप बच्चों को पांच मिनट बोलने का मौका दिया। बच्चों ने उत्साह स्वरूप इसमें भाग लिया। निशा सिंघानिया व पुलकित जैन ने सौ रूपये का पुरस्कार प्राप्त किया। विद्यार्थियों ने आत्म विश्वास की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए उन्होंने विद्यालय की उन्नति की कामना की। छात्रवृति के रूप में लगभग एक लाख पैंसठ हजार रूपये की राशि बच्चों को वितरित की गई। बच्चों को आगे बढने के लिये प्रोत्साहित किया गया।

इस समारोह में मंच संचालन प्रमिला शर्मा ने किया। उन्होंने अनेक भामाशाहों की गाथाएं बताते हुए दानदाताओं को मान दिया। विद्यालय प्राचार्य एस एस कुकरेती ने मुख्य अतिथि सहित सभी मेहमानों का आभार व्यक्त किया।

अग्रसेन भवन में वैवाहिक परिचय सम्मेलन सम्पन्न

माई झु.न्यूज। हर माह को आयोजित अग्रवाल युवक युवति वैवाहिक परिचय सम्मेलन संयोजक श्यामसुन्दर पोद्दार की अध्यक्षता में रविवार को अग्रसेन भवन में सम्पन हुआ।

सम्मेलन में झाझड़ से अगम गोयनका, सूरजगढ से गीलूराम कानोडिया, उमाशंकर सुदानिया, चिड़ावा से महावीर प्रसाद गुप्ता, नवरंगलाल राणासरिया, नरोत्तमलाल जालान, रामचन्द्र तुलस्यान, विरेन्द्र शाह, वाहिदपुरा से भगवान दत्त आदि ने सम्मेलन को गतिशील बनाने के लिए अपने–अपने सुझाव दिए।

सूरजगढ विधानसभा क्षेत्र का सदस्यता वृद्धि अभियान का संयोजक नियुक्त कियागया। झुंझुनूं की नवनियुक्त कार्यकारिणी को जिलाध्यक्ष रामचन्द्र तुलस्यान ने शपथ दिलाई। वैश्य समाज का जिला स्तर पर वैवाहिक परिचय सम्मेलन करने लिए वीरेन्द्र शाह व अनुज भगेरिया का संयोजक बनाया गया। प्रवासी बन्धुओं के सदस्य बनाने व उनका सम्मान करने, एक मासिक बुलेटिन प्रकाशित करने का निर्णय लिया गया। मासिक बुलेटिन का संपादक श्यामसुन्दर पोद्दार को बनाया गया।

कोषाध्यक्ष शिखरचन्द जैन ने आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। सम्मेलन में राजेन्द्र भोड़कीवाला, अनुज कुमार भगेरिया, मुरलीधर गुप्ता, ओमप्रकाश गुप्ता, रतनलाल अग्रवाल, ` लाश सिंगड़ोदिया, महेन्द्र मोदी, पवन केडिया, सुरेश तुलस्यान, श्रवण कुमार गोयनका, अशोक झुंझुनूंवाला, विनोद कानोडिया, गोपालकृष्ण, मातेश टीबड़ेवाल,दामोदर अग्रवाल, गौरीशंकर, सुरेन्द्र अग्रवाल, कप्तान चंद जैन, नरेश परसरापूरिया, श्रीकांत पोद्दार, प्रहलाद मित्तल सहित अन्यजन उपस्थित थे।

दरगाह के सालाना उर्स पर तीन दिवसीय कार्यक्रम

माई झु.न्यूज। बाबा हजरत कमरूद्दीन शाह दरगाह का तीन दिवसीय सालाना उर्स मंगलवार से शुरू हुआ। दरगाह के गद्दीनशीन एजाजनबी शाह की देखरेख मेंउर्स के मुबारक मौके पर दरगाह को आकर्शक रोशनी से सजाया गया है। रात को मिलाद शरीफ के बाद देर रात कव्वाली का प्रोग्राम भी हुआ। बुधवार को कव्वाली का कार्यक्रम पूरे रोज चला जिसमें सुबराती एण्ड पार्टी, गुलाम हुसैन व लतीफ एण्ड पार्टी, कव्वाल सईद फरीद आमीन साबरी आदि कव्वालों ने सुन्दर प्रस्तुतियां कर उर्स के परवान पर चढाया। दिनभर दूर दराज से आने वाले जायरीनों, अकीदतमन्दों, महिला पुरूषों, बच्चे व बड़े बुजुर्गों का तांता देखने योग्य था।

उर्स के तीसरे रोज अंतिम दिवस सुबह नो बजे गुरूवार को फातेहावानी हुई, बाबा की मजार पर चद्दर चढाई गयी, कव्वाली कार्यक्रम हुए। इस अवसर पर जायरीनों के लिए छबील की व्यवस्था प्रदेश कांग्रेश कमेटी सदस्य विनोद पूनियां की और से की गयी जिसका शुभारम्भ मशहूर कव्वाल सईद साबरी व खुर्शीद हुसैन द्वारा किया गया तथा पूनियां की और से बाबा की मजार पर चादर भी चढाई गयी। रात को समापन अवसरपर देर रात कव्वाली कार्यक्रमों में कव्वाल गायकारों ने अल्लाह ताला की खिदमत में एक से बढकर एक शानदार प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर सज्जादानसीन एजाजनबी शाह ने ओमप्रकाश आबुसरिया, विनोद पूनियां, कमलकांत शर्मा, श्रवण कुमार केजड़ीवाल, देवकीनन्दन तुलस्यान की दस्तारबन्दी की।

तीन दिवसीय समारोह में उर्स के दौरान विजपाल धनकड़, तेजस्विनी शर्मा, बृजेन्द्र ओला, ओमनाथ महाराज, एस पी हरिप्रसाद शर्मा, पूर्व आईजी लियाकत अली खान, हिदायतअली खां धोलियां, पवन पुजारी, खालिद हुसेन, महेश बसावतिया, उमाशंकर महमिया, जाकिर हुसेन, हारून रशीद, जाकिर पिरजी, इकबाल कबाडी, कासम अली भाटी सहित अन्यजन उपस्थित थे जिनमें से अलग अलग अवसर पर कुछ प्रमुख व्यक्तियों के दस्तारबन्दी भी की गयी। दरगाह कमेटी के सचिव मो. फारूक कुरेशी ने आगन्तुकों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

कटु यथार्थ का चित्रण-काळ दर काळ

माई झु.न्यूज। राजस्थानी भाषा के सुपरिचित हस्ताक्षर डॉ. रामस्वरूप परेश जी काळ दर काळ नूतन कृति है जो अकाल जन्य पीड़ा का मर्मस्पर्शी चित्रण प्रस्तुत करती है।

डॉ. गोरधनसिंह शेखावत का मंतव्य है कि कविता का आधार परिवेश होता है जो सृजन–संवेदना और निज अस्तित्व का जीवंत भाव होती है। कवि का युग बोध उसे संघर्ष के बाद सृजन का रूप दे देता है। डॉ. परेश ने अपनी कृति में उसी रूप का काव्यात्मक चित्रण किया है। उनके शब्द हैं मिनख चावै जतरी प्रगति करै पण हुवै बो ई जको प्रकृति चावै। कवि ने काल–व्यथा का जीवंत चित्र उकेरा है। मरूभूमि की अकाल विभीषिका के सूक्ष्म चित्रण के द्वारा अनुभूति की सहज अभिव्यक्ति की है।

फळसै ऊबी खेजड़ी का दृश्य प्रतीकात्मक रूप से प्रकृति की मार से पीड़ित प्राणी जगत की मूक वेदना की निशब्द अभिव्यक्ति है। काल–कोप ने गुवाड़ को सूना कर दिया, सर्वस्व लील गया। पोळी बारै नीमड़ी, नीचै टूटी खाट कटु यथार्थ का शब्द –चित्र है। मर्म वेदना की अनुभूति को कवि ने ये शब्द दिये हैं:–

फूल खिले नीं पांखड़ी। लूवां रो रमझोळ।
तुणको तक नीं पांगरै। के प्राणां रो डोळ।

अतीत का सुखद जीवन स्वप्न की बात हो गयी, दिल पर पत्थर रखकर बछड़ा बेचा, पनघट की रौनक लुप्त हो गयी.....। ऊंट पर गुदड़ा, नैन मं नीर, नींव की छांव, गौमाता को त्यागने पर आंसू–भावाभिव्यक्ति बन गये। पोळी के बाहर खड़ा नीम पीड़ा का इतिहास बन गया। मनुष्य के स्वभाव में आने वाला परिस्थिति जन्य अंतर इस दोहे में परिलक्षित होता है:–

मंगतां नं द्यां उथळो। रह्यो न च्यूंठी चून।
कियां चालगी काळ में। इसी कसूती पून।

पाश्चात्य सभ्यता से दर्शित वर्तमान युग का भौतिकता के प्रति अनन्य लगाव संभवत: कवि की अकालजनित सामान्य मन: स्थिति से साम्य रखता है:–

मिनख आचरण सूं हुयो। जाणै ढांढो ढोर।
जीणों चावै आप ही। मरो भलांई ओर।

कवि कहता है कि अकाल भले ही सर्वनाश करे किन्तु लाचार मां की ममता, उसके आंचल की छांव अक्षुण्य रहती है। प्रकृति कीसुषमा का ध्वंस कर मनुष्य पर्यावरण को दूषित करता है जिससे अकाल को अनचाहा आमंत्रण मिलता है। पीयो कम ढोल्यो घणो की स्थिति भयावहता की जननी बनती है। प्राकृतिक संसाधनों का उचित दोहन सुसंगत होता है किन्तु अतिशयता की स्थिति दुख का हेतु बनती है। प्रकृति पर विजय पाने की कुचेष्टा पर्यावरण से खिलवाड़ है, दुर्भिक्ष को आशीष है। प्रकृति को ललकारने पर उसका कोप अकाल बन कर प्रकट होता है:–

मुळकण सूं इमरत झरै, कुदरत कोप्यां काळ।
दुर्भिक्ष की विकराल रात्रि बीतने पर नई भोर होती है, आस–उल्लास की जागृति होती है।

अंत में, कवि ने सटीक शब्दों में छंदबद्ध काव्य प्रस्तुत कर अकविता के दौर में सराहनीय प्रयास किया है। मुद्रण समुचित है, गेट अप मनोहारी है तथा मूल्य उचित सा है। डॉ. घासीराम समाज सेवा समिति, झुंझुनूं द्वारा प्रकाशित यह कृति सहज ग्राह है। मायड़ भाषा में रचित दोहे मन वीणा के तार झंकृत करते हैं।

संक्षेप में, प्रस्तुत कृति माटी की सौंधी महक से सराबोर दोहावली ही नहीं है अपितु लोक जीवन का सांगोपांग यथार्थ चित्रण है जो सहेजने के लिए सर्वथा उपयुक्त है।

कृति– काळ दर काळ कवि– डॉ. रामस्वरूप परेश मूल्य– 80 रूपए

प्रकाशन– डॉ. घासीराम समाज सेवा समिति प्राप्ति स्थान– इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ मीडिया एण्ड टेलिविजन रोड़ नम्बर 2, झुंझुनूं –चन्दन सिंह कटेवा विभागाध्यक्ष अंग्रेजी सेठ नेत. मघ. टीबड़ेवाल राज. महिला महा.वि. झुंझुनूं

शुभ विवाह सम्पन्न

चि. धर्मेन्द्र सुपुत्र श्री ओमप्रकाश जी जांगिड़ (बरनेला) सुपौत्र स्व. श्री गुलाबराय जी बरनेला एवं **सौ.कां. माया** सुपुत्री श्री महावीर प्रसाद जी कोथकुथलिया धमोरा का शुभविवाह 1 मार्च 2008

चि. विनय सुपुत्र श्री कैलाशचन्द्र जी सिंघानिया सुपौत्र स्व. श्री मदनलाल जी सिंघानिया एवं **सौ.कां. मोन्टी** सुपुत्री श्री अशोक कुमार जी गोयल शिवपुरी का शुभविवाह 1 मार्च 2008

सौ. का. इन्दु (गुड्डू) सुपुत्री श्री शुभकरणजी नारनौली एवं **चि.रुपेश** सुपुत्र श्री जगनाराम सुपोत्र श्री महावीर प्रसादजी बुकलसरिया का शुभविवाह 9 मार्च 2008

चि. सुरेश सुपुत्र श्री ओम प्रकाश जी अग्रवाल, अहमदाबाद निवासी तोलियासर सुपोत्र स्व. श्री सांवरमलजी अग्रवाल एवं **सौ.कां. मनीषा** सुपुत्री श्री पवन कुमार जी देवड़ा सुपौत्री स्व. श्री नौरंगलाल जी देवड़ा, मण्डावा का शुभविवाह 9 मार्च 2008

चि. संजय सुपुत्र श्री राजकुमार अग्रवाल सुपौत्र श्री मोहनलाल अग्रवाल एवं **सौ.कां. मेघा** सुपुत्री श्री सुनील जी लोढा का शुभविवाह 10 मार्च 2008

चि. राकेश सुपुत्र श्री शंकरलाल सैनी सुपौत्र स्व. श्री रामबदन जी सैनी एवं **सौ.कां. सरोज (पूनम)** सुपुत्री श्री शंकरलाल जी सैनी, काकरिया (गुढा) का शुभविवाह 10 मार्च 2008

चि. जितेन्द्र सुपुत्र श्री पवन कुमार जी मोदी सुपोत्र स्व. श्री गोपीरामजी मोदी एवं **सौ.कां. आरती** सुपुत्री श्री पवन कुमार जी मोर, नेछवा का शुभविवाह 10 मार्च 2008

चि. अशोक सुपुत्र सन्त कुमार जी ढेडिया एवं **सौ.कां. सुनिता** सुपुत्री श्री नारायण प्रसाद जी अग्रवाल, नीमकाथाना का शुभविवाह 10 मार्च 2008

चि. विपिन सुपुत्र नारायणप्रसाद जालान सुपोत्र स्मृति शेष श्री काशीनाथजी जालान एवं **सौ.कां. सुप्रिया** सुपुत्री संतोष कुमार जी लोहिया, सीकर का शुभविवाह 13 मार्च 2008

सानन्द सम्पन्न शुभ विवाह के अवसर पर हमारी हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं है कि वर वधु पर परमात्मा की असीम कृपा हो वे सदैव प्रसन्न रहे– माई झुंझुनूं डॉट कॉम परिवार